मनोविज्ञान एवं निर्देशन विभाग (मनोविज्ञानशाला) उ0प्र0, प्रयागराज
समग्र शिक्षा योजनान्तर्गत
वार्षिक कार्ययोजना वर्ष 2024–25

अनुमानित व्यय

क्र.सं.	कार्यक्रम/गतिविधि का नाम	अनुमानित व्यय रू0
	कार्यशाला	
1.	परिषदीय एवं माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की मनोवैज्ञानिक समस्याओं के समाधान के लिए शिक्षको हेतु परामर्श हस्तपुस्तिका (Counselling Handbook) का विकास	रु0 667000.00
2.	माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों हेतु शैक्षणिक तनाव मापनी (Academic Stress Scale) का विकास	रु0 682000.00
3.	माध्यमिक स्तर (आयु 14-18 वर्ष) के विद्यार्थियों में एकाग्रता(Concentration), अवधारण(Retention) एवं सचेतन (Mindfulness) के संवर्धन हेतु शिक्षक- संदर्शिका (Module) का विकास	रु0 637000.00
	प्रशिक्षण	
1.	विगत वर्ष 2023-24 में विकसित शिक्षक संदर्शिका के आधार पर विद्यार्थियों में अधिगम अक्षमता (Learning Disability) निराकरण के लिए डायट एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत प्रवक्ता तथा बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत SRG हेतु ऑनलाइन प्रशिक्षण।	रु0 92400.00
2.	मनोविज्ञानशाला में प्रशासित मनोवैज्ञानिक परीक्षणों(**रोर्शाक,TAT,CAT,स्टेनफोर्ड बिने,भाटिया बैटरी**) के प्रशासन हेतु एस.सी.ई.आर.टी. की ईकाइयों, मण्डलीय मनोविज्ञान केन्द्रों एवं डायट में कार्यरत प्रवक्ताओं (मनोविज्ञान) के क्षमता संवर्धन हेतु ऑफलाइन प्रशिक्षण	रु0 736400.00
	प्रकाशन	
1.	परिषदीय एवं माध्यमिक विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों की मनोवैज्ञानिक समस्याओं के समाधान के लिए शिक्षको हेतु परामर्श हस्तपुस्तिका (Counselling Handbook) का प्रकाशन	रू0 100000.00
2.	"माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों हेतु शैक्षणिक तनाव मापनी (Academic Stress Scale) का प्रकाशन	रू0 100000.00
3.	माध्यमिक स्तर (आयु 14-18 वर्ष) के विद्यार्थियों में एकाग्रता(Concentration), अवधारण(Retention) एवं सचेतन (Mindfulness) के संवर्धन हेतु शिक्षक- संदर्शिका (Module) का प्रकाशन	रू0 100000.00
	वीडियो निर्माण	
1	पी.एम.ई. विद्या कार्यक्रम के अन्तर्गत वीडियो निर्माण	रू0 189800.00
	कुल योग	रू0 33,04,600.00

शब्दों में (रूपये तैतीस लाख चार हजार छः सौ मात्र)

कार्यशाला -1

1. **कार्ययोजना का नाम (Name of Proposal/Project):**
   - परिषदीय एवं माध्यमिक विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों की मनोवैज्ञानिक समस्याओं के समाधान के लिए शिक्षको हेतु परामर्श हस्तपुस्तिका (Counselling Handbook) के विकास से सम्बन्धित कार्यशाला
2. **कार्यान्वयन और औचित्य के तरीके (Modalities of Implementation and Justification):**
   - बाल्यावस्था व किशोरावस्था में अनेक शारीरिक परिवर्तनों व अन्य कारणों के कारण विद्यार्थियों द्वारा अनेक मानसिक समस्याओं के सामना करना पड़ता है
   - इन परिवर्तनों के कारण उनका शैक्षणिक व सामाजिक विकास अवरुद्ध होता है
   - परिणामस्वरूप विद्यार्थियों के इन मनोवैज्ञानिक समस्याओं का समाधान अति आवश्यक हो जाता है जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके
   - इन्ही तथ्यों को संज्ञान में लेते हुए शिक्षक/शिक्षिकाओं हेतु परामर्श हस्तपुस्तिका का निर्माण किया जायेगा जिससे शिक्षक विद्यालय स्तर पर ही विद्यार्थियों के मनोवैज्ञानिक समस्याओं का समाधान कर सके |
3. **अपेक्षित परिणाम (Expected Outcomes):**
   - हस्तपुस्तिका के आधार पर प्रत्येक जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक-शिक्षिकाओं (मनोविज्ञान एवं शिक्षाशास्त्र) को प्रशिक्षित किया जायेगा।
4. **मुख्य निष्पादन संकेतांक (Key Performance Indicators):**
   - कार्यशाला का आयोजन (04 दिवसीय 05 चक्रों में)
   - कार्यशाला की रुपरेखा तैयार करना।
   - हस्तपुस्तिका की विषय वस्तु सम्बन्धित सामग्री का लेखन कार्य एवं प्रस्तुतिकरण
   - प्रस्तुत लेखन सामग्री पर विशिष्ट विशेषज्ञों द्वारा विचार विमर्श
   - विचार विमर्श के आधार पर हस्तपुस्तिका को अन्तिम रूप देना
   - हस्तपुस्तिका प्रकाशन
5. **मुख्य निष्पादन संकेतांको का अनुश्रवण (Modalities of Key Performance Indicators):**
   - कार्यशाला टीम का गठन
   - कार्यशाला का चक्र वार मूल्यांकन
   - अन्तिम प्रारूप (final draft) का अनुश्रवण निदेशक/ एकेडमिक स्टाफ, मनोविज्ञानशाला उ०प्र०, प्रयागराज द्वारा किया जायेगा।

कार्यशाला -2

कार्ययोजना का नाम (Name of Proposal/Project)- "माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों हेतु शैक्षणिक तनाव मापनी (Academic Stress Scale) के विकास सम्बन्धित कार्यशाला"

1. कार्यान्वयन और औचित्य के तरीके (Modalities of Implementation and Justification)

- शैक्षणिक तनाव विद्यार्थियों की आवश्यकताओं व शैक्षिक वातावरण के मध्य असमानताओं के कारण उत्पन्न स्थिति है | यह एक मनोवैज्ञानिक असंतुलन है जो किसी विद्यार्थी की आवश्यकताओं और उन आवश्यकताओं को पूरा करने में असमर्थता के कारण उत्पन्न होता है।
- अभिभावकों द्वारा उच्च शैक्षणिक अपेक्षाएं, समय प्रबंधन, प्रतिस्पर्धा, विफलता का भय, समूह का दबाव (Peer Pressure) आदि के कारण किशोरावस्था के बच्चे विभिन्न दबाव व चुनौतियों का अनुभव करते है।
- यह विद्यार्थियों की समग्र शैक्षणिक उपलब्धि को प्रभावित करता है जिससे उनमें चिंता, तनाव, अवसाद, अनिद्रा जैसी स्वास्थ्य समस्यायें उत्पन्न होती है | इसके कारण ड्रॉपआउट की समस्या, मादक द्रव्यों के सेवन व आत्महत्या की प्रवृत्ति में वृद्धि हो सकती है।
- इन समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए शैक्षणिक तनाव मापनी (Academic Stress Scale) का निर्माण किया जायेगा।

2. अपेक्षित परिणाम (Expected Outcomes)

विद्यार्थियों में शैक्षणिक तनाव का मापन कर, प्राप्त परिणाम के आधार पर उनको परामर्श प्रदान करना |

3. मुख्य निष्पादन संकेतांक (Key Performance Indicators)

- कार्यशाला का आयोजन (04 दिवसीय 05 चक्रों में)
- शीर्षकों के सम्बन्ध में विशेषज्ञों से विचार -विमर्श करने के उपरान्त एकांशो का निर्माण किया जायेगा
- एकांशो पर विशेषज्ञों द्वारा रेटिंग करने के पश्चात पायलट स्टडी (Pilot study) की जायेगी।
- पायलट स्टडी के उपरान्त पुनः एकांशो में आवश्यकतानुसार संशोधन किया जायेगा।
- मैनुअल (Manual) के सम्बन्ध में विचार विमर्श किया जायेगा।
- सांख्यिकीय विश्लेषण द्वारा एकांशो को अंतिम रूप प्रदान कर प्रदत्त एकत्रित (Data collection) किया जायेगा।
- अंतिम रूप से प्राप्त प्रदत्तो के विश्लेषण के आधार पर वैधता, विश्वसनीयता एवं मानक ज्ञात कर मैनुअल (Manual) तैयार किया जायेगा।

4. मुख्य निष्पादन संकेतांको का अनुश्रवण (Modalities of Key Performance Indicators)

- कार्यशाला टीम का गठन
- कार्यशाला का चक्रवार मूल्यांकन
- अंतिम प्रारूप (Final draft) का अनुश्रवण निदेशक/एकेडमिक स्टाफ, मनोविज्ञानशाला उ०प्र०, प्रयागराज द्वारा किया जायेगा

कार्यशाला -3

कार्य योजना का नाम (Name of Proposal/Project) –

- माध्यमिक स्तर (आयु 14-18 वर्ष) के विद्यार्थियों में एकाग्रता (Concentration) अवधारण (Retention) एवं सचेतन (Mindfulness) के संवर्धन हेतु शिक्षक- संदर्शिका (Module) का विकास।

कार्यान्वयन एवं औचित्य के तरीके (Modalities of Implementation and Justification) –

- सचेतन (Mindfulness), एक मानसिक स्थिति है जो अस्थिर विचारों को स्थिरता प्रदान कर नकारात्मकता को दूर करती है जिससे विद्यार्थियों में एकाग्रता एवं अवधारण शक्ति का विकास होता है।
- सचेतन (Mindfulness) में 'वर्तमान' (Present) पर पूर्ण रूप से ध्यान केंद्रित किया जाता है जिससे विद्यार्थी अपने विचारों, भावनाओं एवं संवेदनाओं को स्वीकार कर सके।
- इन्ही उद्देश्यों की पूर्ति हेतु माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में एकाग्रता (Concentration) अवधारण (Retention) एवं सचेतन (Mindfulness) को संवर्धित करने हेतु कार्यशाला आयोजित कर शिक्षक - संदर्शिका विकसित की जायेगी।

अपेक्षित परिणाम (Expected Outcomes)

- विकसित शिक्षक- संदर्शिका द्वारा माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में एकाग्रता (Concentration) अवधारण (Retention) एवं सचेतन (Mindfulness) का संवर्धन किया जाएगा।

मुख्य निष्पादन संकेतांक (Key Performance Indicators)

- कार्यशाला का आयोजन (चार दिवसीय ,पांच चक्र)
- कार्यशाला की रूपरेखा तैयार करना
- शिक्षक -संदर्शिका की विषय वस्तु सम्बन्धित सामग्री का लेखन कार्य एवं प्रस्तुतीकरण
- प्रस्तुत लेखन सामग्री पर विशिष्ट विशेषज्ञों द्वारा विचार-विमर्श के आधार पर शिक्षक संदर्शिका को अंतिम रूप प्रदान करना
- शिक्षक- संदर्शिका प्रकाशन

मुख्य निष्पादन संकेतांकों का अनुश्रवण (Modalities of Key Performance Indicators)

- कार्यशाला टीम का गठन।
- कार्यशाला का चक्रवार मूल्यांकन।
- अंतिम प्रारूप का अनुश्रवण निदेशक/एकेडमिक स्टाफ, मनोविज्ञानशाला, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा किया जाएगा।

1.प्रशिक्षण

- **विद्यार्थियों में अधिगम अक्षमता (Learning Disability) निराकरण के लिए डायट प्रवक्ता, माध्यमिक एवं परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक/शिक्षिकाओं हेतु ऑनलाइन प्रशिक्षण।**

2.कार्यान्वयन और औचित्य के तरीके (Modalities of Implementation and Justification):

- वर्तमान समय में परिषदीय एवं माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों में विभिन्न प्रकार की अधिगम अक्षमता (Learning Disability) सम्बन्धी समस्याएं दृष्टिगोचर हो रही है।
- अधिगम अक्षमता से ग्रसित विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने हेतु शिक्षक/शिक्षिकाओं को मनोवैज्ञानिक विधाओं (Psychological Techniques) में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है।
- इन्हीं उद्देश्य की पूर्ति हेतु विकसित शिक्षक संदर्शिका आधार पर डायट प्रवक्ता, माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत (SRG) शिक्षक/शिक्षिकाओं को मनोवैज्ञानिक विधाओं (Psychological Techniques) में प्रशिक्षित किया जायेगा।

3. अपेक्षित परिणाम (Expected Outcomes):

- डायट प्रवक्ताओं, माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा विभाग के (SRG) प्रशिक्षित शिक्षक/शिक्षिकाएं अपने–अपने जनपद के परिषदीय एवं माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक/शिक्षिकाओं को प्रशिक्षित करेंगे। तदोपरान्त प्रशिक्षित शिक्षक/शिक्षिकाएं विद्यार्थियों के सम्मुख आने वाली अधिगम अक्षमता (Learning Disability) एवं मनोवैज्ञानिक समस्याओं का सफलतापर्वक निराकरण करने में सक्षम हो सकेंगे।

4. मुख्य निष्पादन संकेतांक (Key Performance Indicators):

- डायट प्रवक्ताओं, माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा विभाग के (SRG) शिक्षक/शिक्षिकाओं का चयन
- प्रशिक्षण का आयोजन (04 दिवसीय 03 चक्रीय)
- सत्रवार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की योजना का निर्धारण करना

5. मुख्य निष्पादन संकेतांको का अनुश्रवण (Modalities of Key Performance Indicators):

- प्रशिक्षण टीम/सेल का गठन
- प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं परीक्षण के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रमों का मूल्यांकन।
- प्रशिक्षुओं का अनुश्रवण निदेशक/एकेडमिक स्टाफ, मनोविज्ञानशाला, उ0प्र0, प्रयागराज द्वारा किया जायेगा।

2.प्रशिक्षण (Training)

1. कार्ययोजना का नाम (Name of Proposal/Project):

मनोविज्ञानशाला में प्रशासित मनोवैज्ञानिक परीक्षणों (**रोर्शाख,TAT,CAT,स्टेनफोर्ड बिनेट,भाटिया बैटरी**) के प्रशासन हेतु एस.सी.ई.आर.टी. की ईकाइयों, मण्डलीय मनोविज्ञान केन्द्रों एवं डायट में कार्यरत प्रवक्ताओं (मनोविज्ञान) के क्षमता संवर्धन हेतु ऑफलाइन प्रशिक्षण

2. कार्यान्वयन और औचित्य के तरीके (Modalities of Implementation and Justification):

- वर्तमान समय में छात्र/छात्राओं में बढ़ती मानसिक समस्यायें (अधिगम अक्षमता, बौद्धिक स्तर का कम होना, अकादमिक तनाव, आक्रामकता, स्कूल ड्राप-आउट, अपचारी व्यवहार आदि) उनके शैक्षणिक विकास में अवरोध उत्पन्न करती है।
- स्कूल में मनोवैज्ञानिक समस्याओं एवं सीखने की अक्षमताओं के लिए आंकलन हेतु मनोवैज्ञानिक परीक्षण किये जाते है, जिससे उनकी समस्या के वास्तविक स्वरुप का पता लगाया जा सके।
- मनोवैज्ञानिक परीक्षणों को प्रशासित करने हेतु परीक्षण प्रशासन में निपुण होना नैतिक रूप से आवश्यक होता है।
- इन्ही उद्देश्यों की पूर्ति हेतु मनोविज्ञानशाला में प्रशासित मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के प्रशासन हेतु एस.सी.ई.आर.टी. की ईकाइयों, मण्डलीय मनोविज्ञान केन्द्रों एवं डायट में कार्यरत प्रवक्ताओं (मनोविज्ञान) के क्षमता संवर्धन हेतु प्रशिक्षित किया जायेगा।

3. अपेक्षित परिणाम (Expected Outcomes):

- एस.सी.ई.आर.टी. की ईकाइयों, मण्डलीय मनोविज्ञान केन्द्रों एवं डायट में कार्यरत प्रवक्ता अपने-अपने जनपद के परिषदीय एवं माध्यमिक एवं परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं को प्रशिक्षित करेंगे। तदोपरांत प्रशिक्षित शिक्षक- शिक्षिकाएं शिक्षण प्रक्रिया में आने वाले मनोवैज्ञानिक समस्यायों का आंकलन कर बच्चों की अधिगम प्रक्रिया को सुगम बना पायेंगे।

4.मुख्य निष्पादन संकेतांक (Key Performance Indicators):

- एस.सी.ई.आर.टी. की ईकाइयों, मण्डलीय मनोविज्ञान केन्द्रों एवं डाइट में कार्यरत प्रवक्ताओं (मनोविज्ञान) का चयन।
- प्रशिक्षण का आयोजन (3 दिवसीय 02 चक्रों में)
- सत्रवार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की योजना का निर्धारण करना

5.मुख्य निष्पादन संकेतांको का अनुश्रवण (Modalities of Key Performance Indicators):

- प्रशिक्षण टीम/सेल का गठन
- प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्चात् परीक्षण के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रमों का मूल्यांकन।
- प्रशिक्षुओं का अनुश्रवण निदेशक/ एकेडमिक स्टाफ, मनोविज्ञानशाला, उ०प्र०, प्रयागराज द्वारा किया जायेगा।

1.कार्यशाला

परिषदीय एवं माध्यमिक विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों की मनोवैज्ञानिक समस्याओं के समाधान के लिए शिक्षको हेतु परामर्श हस्तपुस्तिका (Counselling Handbook) के विकास से सम्बन्धित कार्यशाला

क्र. सं.	प्रतिभागियों की संख्या	व्यक्तियों की संख्या	मानदेय	दिनों की संख्या	कुल योग रू0
1	विशेषज्ञ	12	प्रोफेसर एवं समकक्ष- 3000X2= 6000 एसो०प्रोफेसर एवं समकक्ष- 2000X2= 4000 असि०प्रोफेसर/प्रवक्ता एवं समकक्ष 1500X8=12000	04	88000
2	टी0ए0 / डी0ए0 (विशेषज्ञ हेतु)		—	—	10000
3	कम्प्यूटर आपरेटर	02	500 X 2= 1000	04	4000
4	हेल्पर	02	200 X 2= 400	04	1600
5	स्टेशनरी	12	150 X 12	.....	1800
6	वर्किंग लंच	16	250 X 16=4000	04	16000
7	अन्य व्यय (पोस्टर, बैनर, डीजल, यात्रा व्यय आदि)	-	-	-	12000
	कुल योग				**133400.00**

पांच चक्रों में अनुमानित व्यय धनराशि रू0 133400x5= 667000.00 मात्र

शब्दो में (छः लाख सड़सठ हजार रू0 मात्र)

2.कार्यशाला

माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों हेतु शैक्षणिक तनाव मापनी (Academic Stress Scale) के विकास सम्बन्धित कार्यशाला

क्र.सं.	प्रतिभागियों की संख्या	व्यक्तियों की संख्या	मानदेय	दिनों की संख्या	कुल योग रू0
1	विशेषज्ञ	12	प्रोफेसर एवं समकक्ष- 3000X2= 6000 एसो०प्रोफेसर एवं समकक्ष- 2000X2= 4000 असि०प्रोफेसर/प्रवक्ता एवं समकक्ष 1500X8=12000	04	88000
2	प्रदत्त संग्रहण		—	—	3000
3	टी0ए0 / डी0ए0 (विशेषज्ञ हेतु)		—	—	10000
4	कम्प्यूटर आपरेटर	02	500 X 2= 1000	04	4000
5	हेल्पर	02	200 X 2= 400	04	1600
6	स्टेशनरी	12	150 X 12	.....	1800
7	वर्किंग लंच	16	250 X 16=4000	04	16000
8	अन्य व्यय (पोस्टर, बैनर, डीजल, यात्रा व्यय आदि)	-	-	-	12000
	कुल योग				**136400.00**

पाँच चक्रों में अनुमानित व्यय धनराशि रू0 136400×5=682000.00

शब्दों में (रू० छः लाख बयासी हजार मात्र)

3.कार्यशाला

माध्यमिक स्तर (आयु 14-18 वर्ष) के विद्यार्थियों में एकाग्रता(Concentration), अवधारण(Retention) एवं सचेतन (Mindfulness) के संवर्धन हेतु शिक्षक- संदर्शिका (Module) का विकास से सम्बन्धित कार्यशाला

क्र. स.	प्रतिभागियों की संख्या	व्यक्तियों की संख्या	मानदेय	दिनों की संख्या	कुल योग रु0
01	बाह्य विशेषज्ञ	12	प्रोफेसर एवं समकक्ष – 01= 3000 एसो० प्रोफेसर एवं समकक्ष – 02 2000 X 2 = 4000 असि० प्रोफेसर/प्रवक्ता एवं समकक्ष – 1500 X 9 = 13500	04	82000
02	टी0ए0/डी0ए0 (विशेषज्ञ हेतु)	.	-	-	10000
03	कंप्यूटर ऑपरेटर	02	500 X 2= 1000	04	4000
04	हेल्पर	02	200 X 2= 400	04	1600
05	स्टेशनरी	12	150 X 12=	-	1800
06	वर्किंग लंच	16	250 X 16= 4000	04	16000
07	अन्य व्यय (पोस्टर, बैनर, डीजल, यात्रा व्यय आदि)	-	-	-	12000
	कुल योग				**127400**

पाँच चक्रों में अनुमानित व्यय धनराशि रु०= 127400 x 5= 637000

1.प्रशिक्षण

मनोविज्ञानशाला में प्रशासित मनोवैज्ञानिक परीक्षणों(रोर्शाख,TAT,CAT,स्टेनफोर्ड बिनेट,भाटिया बैटरी) के प्रशासन हेतु एस.सी.ई.आर.टी. की ईकाइयों, मण्डलीय मनोविज्ञान केन्द्रों एवं डायट में कार्यरत प्रवक्ताओं (मनोविज्ञान) के क्षमता संवर्धन हेतु ऑफलाइन प्रशिक्षण

क्र.सं.	प्रतिभागियों की संख्या	व्यक्तियों की संख्या	दिनों की संख्या	प्रति व्यक्ति मानदेय	कुल योग रू0
01	विषय विशेषज्ञ	02	03	एसो०प्रोफेसर एवं समकक्ष-2000X2= 4000 असि०प्रोफेसर/प्रवक्ता एवं समकक्ष 1500X4=6000	10000
02	टी0ए0/डी0ए0 (विशेषज्ञ हेतु)	.	-	-	150000
03	कम्प्यूटर ऑपरेटर	01	03	500	1500
04	हेल्पर	02	03	200	1200
05	वर्किंग लंच	50	400X55X3= 66000		66000
06	लाजिंग(For Trainee)		750X50X3=112500		112500
07	स्टेशनरी	50	150 X 100=15000	-	15000
08	अन्य व्यय (स्टेशनरी, यात्रा व्यय आदि)	-	-	-	12000
	योग रू0				368200.00

दो चक्रों में अनुमानित व्यय धनराशि रू0 368200.00×2=736400.00

शब्दो में (रू0 सात लाख छत्तीस हजारचार सौ मात्र)

2.प्रशिक्षण

विद्यार्थियों में अधिगम अक्षमता (Learning Disability) निराकरण के लिए डायट प्रवक्ता, माध्यमिक एवं परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक/शिक्षिकाओं हेतु ऑनलाइन प्रशिक्षण

क्र.सं.	प्रतिभागियों की संख्या	व्यक्तियों की संख्या	दिनों की संख्या	प्रति व्यक्ति मानदेय	कुल योग रू0
1	विषय विशेषज्ञ	02	04	प्रोफेसर एवं समकक्ष-3000X2= 6000 एसो०प्रोफेसर एवं समकक्ष-2000X2= 4000 असि०प्रोफेसर/प्रवक्ता एवं समकक्ष 1500X4=6000	16000
2	कम्प्यूटर ऑपरेटर	01	04	500	2000
3	हेल्पर	01	04	200	800
4	अन्य व्यय (स्टेशनरी मीट पेड वर्जन , यात्रा व्यय आदि)	-	-	-	12000
	योग रू0				30800.00

तीन चक्रों में कुल अनुमानित धनराशि 30800x3=92400.00

(रुपये बानबें हजार चार सौ मात्र)

पी.एम.ई.- विद्या कार्यक्रम के अन्तर्गत वीडियो निर्माण हेतु वार्षिक कार्य योजना- 2024-25

1.	**स्क्रिप्ट लेखन हेतु 4 दिवसीय कार्यशाला**				
	प्रतिभागी	संख्या	मानदेय	दिनों की संख्या	कुल योग रू०
	विशेषज्ञ (वाह्य)	4	2000	4	32000
	विशेषज्ञ (आतंरिक)	14	---	4	---
	कंप्यूटर ओपरेटर	1	500	4	2000
	हेल्पर	1	200	4	800
	वर्किंग लंच	20	250	4	20000
	स्टेशनरी	---	---	---	10000
				योग	**64800.00**
2.	वीडियो निर्माण- (वीडियो रिकॉर्डिंग, एडिटिंग, लाइटिंग, प्रेजेंटेशन एवं अन्य व्यय हेतु)				**125000.00**

कुल अनुमानित व्यय धनराशि रू०189800.00

शब्दों में- एक लाख नवासी हजार आठ सौ रू० मात्र